सामान्य अध्ययन (टेस्ट - VI)

GENERAL STUDIES (Test - VI)

मॉड्यूल - VI / Module - VI

DTVF/17–M–GS6

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): विक्रम गंगवार

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 17/07/17

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

रोल नं. 2

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिंदी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature):

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

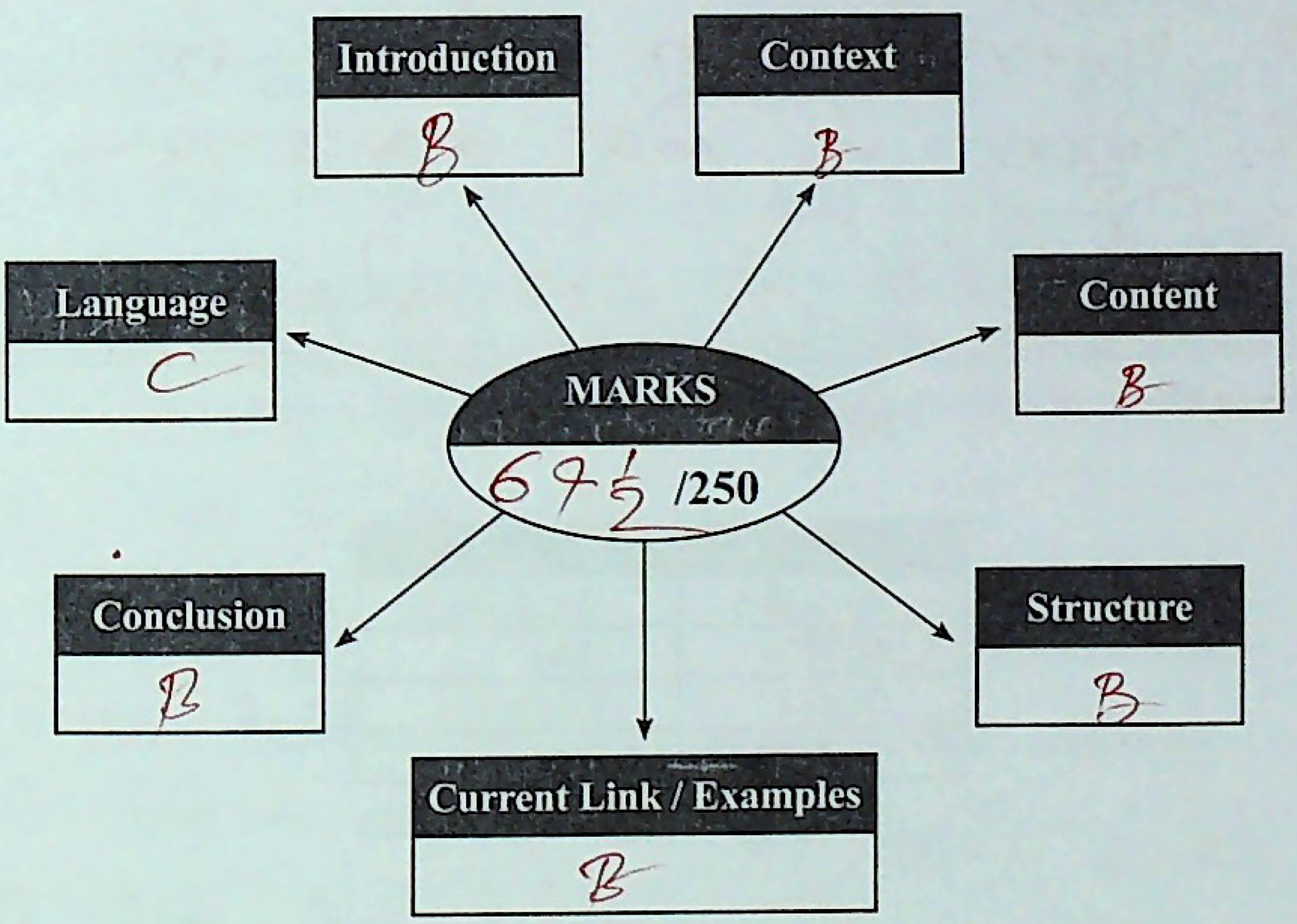

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

- आपने अच्छा उत्तर लिखने का प्रयास किया है। अभ्यास की निरंतरता को बनाए रखिए।
- और अधिक तथ्यों व तर्कों का प्रश्न की मांग के अनुसार प्रयोग कीजिए।
- सभी उत्तर लिखते हुए निश्चित शब्द सीमा का पालन समय सीमा के पालन के लिए आवश्यक है।
- सभी प्रश्नों को हल कीजिए।
- शाब्दिक व व्याकरणिक अशुद्धियों में सुधार कीजिए।

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B' ✓	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1. यद्यपि आसियान (ASEAN) ने अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे कर लिये हैं, परंतु दक्षिणी चीन सागर विवाद के कारण क्षेत्र में अस्थिरता का खतरा भी है। चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

Though ASEAN completed 50 years of its formation but there is a threat of instability also, because of South China Sea dispute. Discuss. (250 words) 12.5

आसियान की स्थापना 1967 में दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों (10 सदस्य) को मिलाकर हुई है जिसका प्रमुख उद्देश्य –

- आपसी सहयोग को बढ़ाकर आर्थिक-सामाजिक विकास करना
- विवादों का शांतिपूर्ण समाधान करना
- एक एकीकृत क्षेत्र, बाजार एवं अर्थव्यवस्था की स्थापना
- परिवहन, व्यापार, सांस्कृतिक मूल्यों, सुरक्षा पर ध्यान देना।

अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने तक पर क्षेत्र विकास में काफी आगे निकल चुका है तथा इसने एक एकीकृत बाजार का रूप लेना शुरू कर दिया है परन्तु यहां पर चुनौतियां भी अधिक हैं – आतंकवाद, शरणार्थी समस्या, गोल्डेन ट्रायंगल में मादक पदार्थों की तस्करी, चीन का बढ़ता हस्तक्षेप तथा दक्षिणी चीन सागर का मुद्दा।

दक्षिणी चीन सागर आसियान देशों वियतनाम, मलेशिया, फिलीपींस तथा चीन के अंदर के बीच गंभीर मुद्दा है दक्षिणी चीन सागर पर चीन अपने प्रभुत्व का दावा करता है क्योंकि दक्षिणी चीन सागर –

आगे आउट ... प्रयास (सराहनीय)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- व्यापार मार्गों एवं ऊर्जा मार्गों का केंद्र बिंदु है
- मत्स्यन एवं तेल संभावनाओं की दृष्टि से
- अपना नर्तेस्व स्थापित करने के लिए
- द्वीपों की सुरक्षा तथा अमेरिका एवं भारत को यहां रोकना।

लेकिन चीन के बढ़ते वर्चस्व का आसियान के देशों द्वारा विरोध किया जा रहा है जिससे फिलीपींस-चीन, वियतनाम-चीन तथा मलेशिया-चीन की बढ़ती प्रतिद्वन्द्विता के कारण अस्थिरता बढ़ रही है ये आसियान देशों के हित में नहीं है इससे विकास एवं सुरक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

इसलिए दक्षिण चीन सागर का विवाद सुलझाया जाना चाहिए -

- चीन द्वारा UNCLOS के नियमों का पालन करना चाहिए
- समुद्री संभावनाओं का भागीदारीपूर्ण एवं सतत उपयोग हो।
- व्यापार मार्गों की आवाजाही सुगम हो।

इन तथ्यों को ध्यान में रखकर चीन तथा आसियान देशों को साथ यहां शांति स्थापित करनी चाहिए ताकि अस्थिरता के कारण उत्पन्न बाधाओं

फिलीपींस के बीच विवाद को इंगित करना चाहिए आदि का भी उल्लेख हो। SCS

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

का शमन हो सके एवं यूरोपियन यूनियन जैसे एकीकृत क्षेत्र का विस्तार भी।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	0.5	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

2. "एक पुराना मित्र दो नए मित्रों से बेहतर है।" रूस और भारत के परंपरागत रिश्ते से हटकर नए मित्रों की तलाश के संदर्भ में उपरोक्त कथन की समीक्षा करें। (250 शब्द) 12.5

"An old friend is better than two new ones." Examine the above statement as Russia and India are moving away from the traditional relationships in search of new friends. (250 words) 12.5

उपर्युक्त कथन भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा भारत-रूस शिखर सम्मेलन के दौरान कहा गया तथा रूस के महत्व की भारत के लिए उपयोगिता बताई गयी।

वास्तव में भारत एवं रूस के स्वतंत्रता के बाद से ही आर्थिक, सांस्कृतिक, सामरिक संबंध प्रगाढ़ रहे हैं चाहे 1965 का युद्ध हो या 1971 का प्रत्येक समय रूस हमारा साथी रहा है।

परन्तु वैश्वीकरण के युग में हम किसी एक देश पर निर्भर नही रह सकते 21वीं शताब्दी की शुरुआत से ही हमारे संबंध अमेरिका, पश्चिमी यूरोप जैसे पश्चिमी देशों से भी बढ़ रहे हैं इसके साथ ही चाहे पश्चिमी एशिया हो या द० पू० एशिया या अफ्रीका प्रत्येक स्थानों पर हमने नये संबंधों की तलाश है।

इसके साथ ही यह भी सही है कि रूस भी नये संबंधों की तलाश कर रहा है उसका पाक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

के साथ सैन्य अभ्यास करना, चीन से बढ़ता संबंध एवं अफगानिस्तान में तालिबान के सहयोग से शांति स्थापना भारत के लिए चिंता का विषय है। इस पर भारत एवं रूस को पुनर्विचार करना चाहिए।

लेकिन ये भी सत्य है रूस हमारे लिए अतिमहत्वपूर्ण है -

— हाइड्रोकार्बन, गैस आदि की प्राप्ति हेतु
— UNO में वीटो का इस्तेमाल हमारे पक्ष में करना
— चीन को संतुलित करने
— परमाणु ऊर्जा में सहयोगी
— सबसे बढ़कर उसकी ऐतिहासिक विश्वसनीयता।

इसलिए भारत-रूस को बदलते वैश्विक परिदृश्य में अपने संबंधों को स्थायी रखने के लिए (ट्रैक-1) कूटनीति के साथ ही ट्रैक-2 कूटनीति का पालन करना चाहिए जिससे बहुध्रुवीय विश्व का निर्माण किया जा सके जो लोकतांत्रिक विश्व का मार्ग प्रशस्त करेगा।

9

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3. 'ट्विटर या हैशटैग कूटनीति' की संभावनाओं तथा चुनौतियों का आलोचनात्मक विश्लेषण करें। (250 शब्द) 12.5

Critically analyze the potentials and challenges of 'Twitter or Hashtag Diplomacy'. (250 words) 12.5

ट्विटर या हैशटैग कूटनीति अन्तर्राष्ट्रीय संबंधो को नया रूप देने का नया आयाम है जिसमें ट्रैक-4 पारिस्थिती द्वारा मीडिया की भूमिका द्वारा आपसी संबंधो को बढ़ावा दिया जाता है। इसमें किसी राजनेता द्वारा किसी मुद्दे पर ट्विटर पर ट्वीट किया जाता है तथा उस पर देशों की जनता द्वारा अपनी टिप्पणियां दी जाती है।

ट्विटर कूटनीति की संभावनाएं -

- इससे पीपल्स टु पीपल्स कान्टेक्ट बढ़ता है।
- दो तरफा संचार स्थापित हो जाता है।
- किसी विषय पर जनमत तैयार करना
- मीडिया की अन्तर्राष्ट्रीय संबंधो में सकारात्मक भूमिका
- विवादों जैसे- सीमा विवाद, समुद्री विवाद आदि के समाधान के लिए आधार का कार्य कर सकती है।
- गैर राज्यीय अभिकर्ताओं को भी प्रभावित करता है- आतंकवाद, बहुराष्ट्रीय कंपनियां आदि।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

चुनौतियाँ -

- विद्वेषपूर्ण तथा नकारात्मक टिप्पणी से संबंधों में तनाव आ सकता है।
- घरेलू मुद्दों तक का अन्तर्राष्ट्रीयकरण हो सकता है।
- तथ्यों या बिन्दुओं को तोड़ मरोड़कर पेश करना
- मीडिया की सामाजिक जिम्मेदारी से विमुखता
- आतंकवादी, उग्रवादी आदि गलत इस्तेमाल कर सकते हैं।

आज जब दुनिया विभिन्न राष्ट्रों के मध्य स्थापित 'हाट लाइन' संबंधों से ऊपर उठकर ट्विटर कूटनीति को महत्व दे रही है तो इसका उचित एवं कुशल उपयोग होना चाहिए साथ ही अफवाहों पर नियंत्रण, विवादित बयानों से बचना, साइबर विनियमन आदि को ध्यान में रखना होगा।

निष्कर्षतः ट्विटर कूटनीति अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों को मूर्त रूप देने का नया आयाम प्रस्तुत करती है परन्तु इसका संतुलित उपयोग करके ही विश्व समाज का निर्माण किया जा सकता है।

हालिया घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए उत्तर लिखिए।

9

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. क्या आप मानते हैं कि भारत अंतरिक्ष कूटनीति में प्रमुख प्रतिस्पर्द्धी बनता जा रहा है? (250 शब्द) 12.5

Do you think that India is becoming a key player in space diplomacy? (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अंतरिक्ष कूटनीति का तात्पर्य है विश्व में बढ़ती अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा में बढ़त प्राप्त करना तथा अपने हितों की सुरक्षा। भारत ने अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा में कड़ी टक्कर दी है भारत द्वारा —

- PSLV तथा GSLV जैसे राकेटों का निर्माण किया जाना।
- मंगलयान, चंद्रयान की सफलता।
- IRNSS (नाविक) की नेविगेशन प्रणाली का निर्माण।
- विभिन्न प्रकार के IRS तथा INSAT सेटेलाइटों की स्थापना।
- विश्व के अन्य देशों के उपग्रहों का प्रक्षेपण करना जैसे PSLV C-37 द्वारा 104 उपग्रहों का एक साथ प्रक्षेपण जिसमें 96 अकेले अमेरिका के थे।
- भारतीय अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी स्वदेशी तथा सस्ती है।
- मौसम उपग्रहों, संचार उपग्रहों की स्थापना।

इन सभी आयामों को देखते हुए कहा जा सकता है कि भारत अंतरिक्ष क्षेत्र की उभरती हुई शक्ति है। परन्तु हाल ही में चीन द्वारा ऐसी मिसाइल

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

का परीक्षण किया गया जो उपग्रहों को नष्ट करने में सक्षम है जिसकी आलोचना भी की गई परन्तु इससे भारत को सतर्क भी रहना होगा।

चुनौतियाँ -

- नयी प्रौद्योगिकी तथा वित्त की समस्या।
- विकसित देशों यथा अमेरिका, यूरोपियन एजेंसी से कड़ी टक्कर।
- ब्रेन ड्रेन के कारण मानव संसाधन या युवा वैज्ञानिकों का पलायन।
- हाल ही में PSLV की असफल होना तथा अवसंरचना संबंधी न्यूनताएँ।

परन्तु इन सभी चुनौतियों का सामना इसरो, एंट्रिक्स कुशलतापूर्वक कर रहे हैं ताकि भारत अंतरिक्ष में अपना वर्चस्व बना सके क्योंकि आगे की औद्योगिक क्रांति या विकास क्रांति अंतरिक्ष पर आधारित होगी अतः भारत को सरकारी एवं निजी प्रयासों द्वारा इस क्षेत्र में अपनी महत्ता स्थापित करनी होगी।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. विश्व कूटनीतिक रूपांतरण के दौर से गुजर रहा है तथा अमेरिका-भारत-इजराइल त्रिपक्षीय सहयोग समय की आवश्यकता है? चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

The world is witnessing diplomatic transformation and USA-India-Israel trilateral cooperation is the need of the hour. Discuss. (250 words) 12.5

अगर अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों की बात करें तो इसमें समय के साथ परिवर्तन होते रहते हैं तथा अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में कोई स्थायी शत्रु या मित्र नहीं होता है। शीत युद्ध की राजनीति के दौरान हमारे अमेरिका तथा इजराइल से कूटनीतिक संबंध अपेक्षाकृत कमजोर थे – कारण - रूस से घनिष्ठता एवं गुटनिरपेक्ष आंदोलन।

परन्तु बदलती वैश्विक परिस्थितियों में अमेरिका - भारत - इजराइल त्रिगुट का निर्माण हो रहा है –

– अमेरिका - इजराइल के संबंध तो इजराइल की स्थापना से ही बेहतर रहे हैं - इजराइल को मिनी अमेरिका की संज्ञा दी जाती रही है।

– भारत - अमेरिका के संबंध 21वीं सदी में बहुत प्रगाढ़ हुए हैं – रक्षा क्षेत्र में, आर्थिक क्षेत्र में, सांस्कृतिक क्षेत्र में - अमेरिका हमारा रणनीतिक साझेदार है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता का समर्थन, परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह, वासेनार - आस्ट्रेलिया समूह सदस्यता के लिए अमेरिका तथा इजराइल ने हमारा समर्थन किया है।
- भारत - अमेरिका मालाबार युद्धअभ्यास हो चाहे MTCR में सदस्यता का प्रश्न, परमाणु ऊर्जा में सहयोग, अमेरिका बड़ा सहयोगी के रूप में उभरा है।
- किसी भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा इजराइल की पहली यात्रा तथा मध्यपूर्व में इजराइल से बढ़ता सहयोग - जल प्रबंधन, कृषि क्षेत्र, रक्षा में निरन्तर सहयोग

- चुनौतियां -

  - यदि एक तरफ भारत - अमेरिका - इजराइल हैं तो दूसरी ओर रूस - पाक - चीन की धुरी भी खड़ी हो रही है।
  - अमेरिका द्वारा पाक को दी जाने वाली आर्थिक सहायता
  - इजराइल, अमेरिका के चीन से भी बेहतर संबंध का

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

होना।

अत: कहा जा सकता है कि संभावनाओं के साथ ही साथ चुनौतियां भी बहुत अधिक हैं अत: इनका शमन आवश्यक है इसलिए भारत - इजराइल - अमेरिका को कूटनीतिक स्तर पर और भी सहयोग को बढ़ाकर तथा अन्य देशों को भी साथ लेकर वैश्विक स्थिरता का प्रयास करना चाहिए।

9

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

6. भारत-जापान द्वारा अफ्रीका के हित के लिये किये गए 'एशिया-अफ्रीका विकास गलियारा' (AAGC) पहल ने सहयोग के नए युग की शुरुआत की है। परीक्षण करें। (250 शब्द) 12.5

The new initiatives taken by India-Japan for betterment of Africa in terms of Asia-Africa Growth Corridor (AAGC) opened new era of cooperation. Examine. (250 words) 12.5

भारत - जापान अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़े सहयोगी रहे हैं वर्तमान में चीन का अफ्रीकी देशो में बढ़ता वर्चस्व तथा उसकी वन बेल्ट वन रोड की नीति को ध्यान में रखकर 'एशिया - अफ्रीका विकास गलियारा' का विकास भारत एवं ~~चीन~~ जापान द्वारा पहल की जा रही है _

- यह समुद्री मार्गों का एक नेटवर्क होगा।
- यह अफ्रीका को पश्चिम, पूर्व, दक्षिण तथा दक्षिणपूर्व एशिया से लेकर ओशेनिया तक जोड़ेगा।
- चीन की बेल्ट स्ट्रीशियटिव को संतुलित करना।

अफ्रीका का हित _

- अफ्रीका एवं एशियाई देशो के बीच दक्षिण - दक्षिण संवाद एवं सहयोग बढ़ेगा।
- अफ्रीका देश जो विश्व राजनीति में पीछे है उन्हें आगे आने का रास्ता मिलेगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

— अफ्रीका प्राकृतिक संसाधन सम्पन्न है परन्तु पूँजी व तकनीक में गरीब - जिससे उसे एशियाई देशों से सहायता मिलेगी।

— समुद्री गश्तियों से समुद्री डकैती पर अंकुश, चीन का अफ्रीका में हस्तक्षेप कम होगा तथा अफ्रीका देशों का विकास होगा।

भारत का हित -

— चीन की स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स की नीति का जवाब

→ वन बेल्ट वन रोड का विकल्प

— समुद्री अवसंरचना का विकास - व्यापारिक मार्ग एवं ऊर्जा मार्गों की सुरक्षा

— जापान के साथ सामरिक संबंधों को बढ़ाना

— अफ्रीका में अग्रता एवं बढ़त

जापान का हित -

— चीन को वैश्विक स्तर में चुनौती।

— भारत जापान संबंधों से हिंद महासागर एवं प्राकृतिक संसाधनों तक पहुँच।

— दक्षिण चीन सागर जैसे विवादों को न्याय ढंग से प्रभावित

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

करना।

अतः आवश्यकता इस बात की है कि इस गलियारे द्वारा अफ्रीका, भारत, जापान के साथ एशिया एवं अफ्रीका के बीच सांस्कृतिक एवं पीपल टू पीपल संबंधों को नया मिले और किसी देश को अनावश्यक वर्चस्व न मिले।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1.25	1.5	1.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. भारत एवं यूरोपीय संघ के मध्य 'मुक्त व्यापार समझौता' मूर्तरूप लेने में असफल रहा है। समझौते के मार्ग में उपस्थित गतिरोधों की संक्षेप में चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

'Free Trade Agreement' between India and EU was failed to take shaped. Discuss the various roadblocks in achieving the path of agreement. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है तथा दोनो के मध्य आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक संबंध प्रगाढ़ रहे हैं। भारत तथा यूरोपीय संघ 2007 से ही Broad-Based Trade and Investment Agreement (BTIA) को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं इसे ही 'मुक्त व्यापार समझौता' भी कहते हैं परन्तु अभी तक सफलता नहीं मिली है।

भारत की चिंताएं -

- यूरोपीय देशों या संघ द्वारा सैनिटरी एवं फाइटो सैनिटरी उपायों का कड़ा होना - भारत के निर्यात को प्रभावित करते हैं।
- भारतीय कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की चिंताएं।
- भारत द्वारा द्विपक्षीय निवेश समझौतों का समाप्त करना तथा आगे 6 महीने के विस्तार को स्वीकार न करना।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

यूरोपीय संघ की चिंताएँ -

- स्प्रिट एवं एल्कोहल को भी शामिल करना चाहता है।
- ऑटोमोबाइल उद्योग को लेकर - EU चाहता है कि आयात शुल्क भारत 10% तक लगाये जबकि अभी 60% से ऊपर है।
- विवादों को निपटारा अन्तर्राष्ट्रीय पैनल द्वारा हो जबकि भारत कहता है घरेलू उपायों द्वारा समाधान न मिलने पर ही यहां जाया जाये।

इन सभी बातों को लेकर दोनों के मध्य विवाद है।

उपाय -

- इस बात पर सहमति बने कि पहले विवादों का निपटारा घरेलू -रूप तंत्र द्वारा हो बाद में ही उसे अन्तर्राष्ट्रीय न्याय तंत्र को सौंपा जाये।
- टैरिफ संबंधी बाधाओं पर लोचशीलता हो।
- वार्ता एवं संवाद को निरन्तर जारी रखना।
- जर्मनी, फ्रांस आदि से मध्यस्थता द्वारा सुलझाना।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आवश्यकता इस बात की है कि इन ~~उपाय~~ उपायों को अपनाकर मुक्त व्यापार समझौते को सम्पन्न किया जाये ताकि विश्व व्यापार में भारत को बढ़त मिले एवं मेक इन इंडिया को मूर्त रूप मिले।

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.75	0.75	0.75	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. 'दक्षिण एशिया उपग्रह' भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी' के क्रियान्वयन हेतु सॉफ्ट पावर अथवा अंतरिक्ष कूटनीति का विशिष्ट उदाहरण है। स्पष्ट करें। (250 शब्द) 12.5

'South Asia Satellite' is a fine example of soft power or space diplomacy for the implementation of India's 'Neighbourhood First Policy'. Substantiate it. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत दक्षिण एशिया प्रायद्वीप की सबसे बड़ी शक्ति है तथा इस क्षेत्र में (8 देश) शांति स्थापना, आर्थिक- सामाजिक विकास को बढ़ावा देने हेतु सार्क का गठन किया गया। भारत ने पड़ोसी देशो से बेहतर संबंधो की स्थापना के लिए 'नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी' को अपनाया —

- दक्षिण एशिया के छोटे देशो से 'बिग ब्रदर सिंड्रोम' की भावना को हटाया जा सके।
- संतुलित एवं समन्वय आधारित दक्षिण एशिया का विकास हो।
- चीनी दखल एवं वैश्विक शक्तियों का हस्तक्षेप न हो।
- भारत द्वारा नयी सरकार के गठन के दौरान सभी पड़ोसी देशो के राष्ट्राध्यक्षों को बुलाया।

इसी क्रम में भारत ने 'सार्क सैटेलाइट' का प्रक्षेपण किया ताकि इन पड़ोसी देशो के साथ

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बेहतर तालमेल बैठाया जा सके और वे देश भी अंतरिक्ष तक पहुँच सुनिश्चित कर सकें परन्तु पाकिस्तान द्वारा लगातार बाधाएँ उत्पन्न किये जाने के कारण वह इसका अंग नहीं बना है।

इसलिए दक्षिण उपग्रह एवं भारतीय सॉफ्ट पावर -

- यह भारत की अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का पड़ोसियों को एक व्यावहारिक विकल्प है।
- इससे अंतरिक्ष, विकास ही नहीं अपितु सांस्कृतिक संबंध भी सुदृढ़ होंगे।
- यह भारत की अपने पड़ोसियों के प्रति जागरूकता का प्रतीक है।

इस प्रकार इस उपग्रह का प्रयोग न केवल विकास अपितु भारत सॉफ्टपावर के रूप में करेगा परंतु चीन-पाक धुरी, आतंकवाद की बढ़ता रूप, साइबर अपराध की प्रौद्योगिकी से भी निपटना होगा तभी जाकर हम बेहतर कदम बढ़ा सकते हैं और दक्षिण एशिया का एकीकृत विकास कर सकेंगे।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

9. दक्षेस की अपेक्षा बिम्सटेक ने सदस्य देशों को एक बेहतर 'विकास मंच' प्रदान किया है। कथन को स्पष्ट करते हुए बताएँ कि यह भारत को विकास के कौन-से नए अवसर मुहैया करा सकता है? इस संगठन के समक्ष उपस्थित चुनौतियों पर भी चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

As SAARC waned, BIMSTEC provided development platform for member countries. By explaining above statement, clarify what kinds of opportunities can it provide to India? Discuss the challenges ahead of BIMSTEC. (250 words) 12.5

दक्षेस में दक्षिण एशिया के 8 देश आते हैं जिनकी स्थापना सार्क सदस्यों के बीच बेहतर तालमेल एवं विकास को गति देने के लिए की गई थी

परन्तु चुनौतियां -

— पाक का असहयोगी रवैया।

— सीमा विवाद, जल विवाद की समस्या देशों में।

— अविश्वास की भावना।

— आतंकवाद को पाक द्वारा बढ़ावा देना।

इन समस्याओं को देखते हुए 'बिम्सटेक' एक बेहतरीन मंच है इसमें नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्री लंका, भारत, म्यांमार तथा थाईलैण्ड शामिल हैं ये

बेहतर क्यों? -

— सदस्य देशों में आपसी विवाद नहीं।

— सार्क एवं आसियान के बीच सेतु का काम।

— संसाधनों का समुचित एवं संतुलित प्रयोग।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

- आतंकवाद, अलगाववाद जैसे तत्वों की कमी।

भारत का हित -

- भारत को आसियान एवं सार्क दोनों से जोड़ेगा।
- पूर्वोत्तर भारत के विकास के लिए महत्वपूर्ण - कालादान मल्टीमोडल (म्यांमार), भारत - म्यांमार - थाईलैण्ड त्रिपक्षीय राजमार्ग का विकास।
- एक्ट ईस्ट पॉलिसी को सफल रूप देने के लिए।
- दक्षिणी चीन सागर तथा चीन को प्रति संतुलित करने के लिए।
- BCIM कॉरिडोर को बढ़ावा देने के लिए।

चुनौतियाँ -

- विभिन्न देशों में अल्प आपसी संबंध अपेक्षाकृत नये दौर में जैसे - श्रीलंका एवं म्यांमार, थाईलैण्ड आदि।
- शरणार्थी समस्या - बांग्लादेश से भारत में एवं रोहिंग्या का मुद्दा।
- चीन का इन देशों में बढ़ता हस्तक्षेप।

आतंकवाद, व्यापार, पर्यटन, विदेशी निवेश, टेक्नोलॉजी तथा अन्य ऊर्जा संसाधन क्षेत्रों में सहयोग का उल्लेख किया, जाना चाहिए।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

— उग्रवाद एवं आतंकवाद, तस्करी का बढ़ता स्तर।

इसलिए यदि बिम्सटेक से लाभ अर्जित करना है तो पहले निम्नलिखित चुनौती के उपाय किये जाने चाहिए साथ ही सार्क एवं बिम्सटेक को जोड़ने वाले तत्वों की खोज करनी चाहिए।

9

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

10. रोहिंग्या समुदाय की समस्या अब घरेलू समस्या न रहकर एशिया की क्षेत्रीय समस्या हो गई है। इस संदर्भ में रोहिंग्या समुदाय की समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए बताएँ कि वैश्विक स्तर पर इसके लिये कौन-कौन से प्रयास किये जा सकते हैं? (250 शब्द) 12.5

The problem of Rohingya community became a regional problem of Asia rather than domestic. In this context highlight the problems of Rohingya community and what efforts can be made at global level to solve this problem? (250 words) 12.5

रोहिंग्या समुदाय म्यांमार के रखाइन प्रांत में रहने वाला मुस्लिम समुदाय है परन्तु यह इस बौद्ध बहुसंख्यक देश में अल्पसंख्यक हैं। UNO के अनुसार रोहिंग्या विश्व में सबसे ज्यादा उत्पीड़ित समुदाय है।

~~हाल ही में~~ रोहिंग्या ~~[illegible]~~ के किये जा रहे शोषण के विरुद्ध इन्होंने अपने संगठन भी बना लिये हैं हाल ही में इन्होंने म्यांमार की सेना एवं पुलिस के ठिकानों पर हमले किये प्रतिक्रिया स्वरूप सेना ने इनका दमन तथा हमले बड़े पैमाने पर प्रारंभ कर दिये पहले पहले से भी इन पर अत्याचार होते रहे हैं जिससे ये शरणार्थी के रूप में पड़ोसी देशों - बांग्लादेश, भारत, थाईलैण्ड, मलेशिया एवं इण्डोनेशिया में जाते रहे हैं जिसने क्षेत्रीय समस्या को जन्म दिया है।

रोहिंग्या समस्या और पूरा देश प्रारंभ करें करिए

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

रोहिंग्या की समस्याएं -

- विश्व के सबसे बड़े शरणार्थी हैं - 'नोट विफ्यूजी' की संज्ञा दी जाती है।
- कुपोषण, गरीबी, बेरोजगारी, महामारी से पीड़ित।
- म्यांमार के 1982 के नागरिकता कानून द्वारा नागरिकता नहीं दिया जाता।
- बांग्लादेश में शरणार्थी के रूप में भेशान चर द्वीप पर पुनर्वास करना यह द्वीप बीमारियों की जड़ है।
- मनोवैज्ञानिक संकट एवं मानवता एवं शरणार्थी संकट है।

प्रयास एवं उपाय -

- म्यांमार की आंग सान सू की द्वारा कोफी अन्नान की अध्यक्षता में इनकी समस्याओं के अध्ययन एवं निराकरण हेतु पैनल का गठन - जिसने इनके समायोजन की बात की है।
- चीन एवं भारत को आगे आना चाहिए क्योंकि दोनों ने म्यांमार में पर्याप्त निवेश किया है।
- पश्चिमी शक्तियों द्वारा रचनात्मक प्रयास करना।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

— भारत द्वारा यह ध्यान देना कि नए रोहिंग्या को देश से सुरक्षा के दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर बाहर करेगा, इस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

इसलिए रोहिंग्या मात्र शरणार्थी या म्यांमार का मुद्दा नहीं अपितु मानवता एवं मानवाधिकारों से जुड़ा मुद्दा है जिसका वैश्विक स्तर पर परिस्थितिगत समाधान निकलना चाहिए।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

11. भारत तथा ईरान के मध्य संबंधों के बदलते आयाम एशिया में भू-राजनीतिक दशा को प्रभावित करेंगे। इस कथन की समीक्षा करते हुए भारत तथा ईरान के मध्य संबंधों को मजबूत करने के उपायों की चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

The changing dimension in the relationship between India and Iran will affect geopolitical situation in Asia. While reviewing this statement, discuss ways to strengthen relations between India and Iran. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पश्चिमी एशिया में ईरान भारत का बड़ा सहयोगी रहा है भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए तथा मध्यपूर्व में बेहतर संबंधों की सुदृढ़ता के लिए ईरान से घनिष्ठ सहयोगी है। इस समय मध्यपूर्व में आई एक संकट, सीरिया संकट, कतर संकट चरम पर हैं इसलिए वर्तमान परिदृश्य में हमें काफी संभलकर चलना होगा।

भारत एवं ईरान सकारात्मक संबंध -

- भारत ईरान से बड़ी मात्रा में तेल एवं गैस आयात कर रहा है।
- चाबहार बंदरगाह का विकास ईरान में भारत-ईरान ही नहीं मध्य एशिया एवं अफगानिस्तान पहुँचने का द्वार है।
- गुटनिरपेक्षता के दौर से ही ऐतिहासिक संबंध रहे हैं।
- पश्चिम एशिया, मध्य एशिया एवं दक्षिण एशिया के

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

मध्य सेतु के रूप में ईरान।

– ईरानी अल्पसंख्यक आबादी के लिए भावनात्मक लगाव का मुद्दा तथा भारतीय उपभोक्ता की इच्छा।

भारत - ईरान तनाव -

– भारत का अमेरिका से बढ़ता संबंध।

– चाबहार का पाकिस्तान तथा चीन द्वारा उपयोग करने की बात ईरान द्वारा कहना।

– फरजाद बी गैस क्षेत्र भारत को न देकर रूस को दे देना।

– अयातुल्लाह खुमैनी द्वारा कश्मीर समस्या को यमन तथा सीरिया की तरह बताना।

आगे की राह या उपाय -

– दोनों देशों को संतुलित तरीके से आगे बढ़ना चाहिए दोनों को एक दूसरे की जरूरत है।

– भारत द्वारा चाबहार का विकास रचनात्मक एवं ईरान कूटनीति के परिप्रेक्ष्य में।

– भारतीय प्रवासियों की भूमिका महत्वपूर्ण रूप से निभाना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

- ट्रैक-2 नागरिक-नागरिक संवाद को बढ़ाना।
- ईरान के नागरिक परमाणु कार्यक्रम को समर्थन देना।
- आतंकवाद के मुद्दे पर समन्वयकारी रुख।

इसलिए पश्चिम एशिया में भारत-ईरान संबंधों को बड़ी ही सहजता एवं कूटनीतिक तरीके से आगे बढ़ाना होगा ताकि हमारे ऐतिहासिक संबंधों में कोई दरार न आये।

(4)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.75	1.5	1.5	0.75	0.75	0.75	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

12. भारत से प्रतिभा का पलायन एक तरफ तो लाभकारी सिद्ध हुआ है, परंतु साथ ही कुशल भारतीयों की कमी ने विकसित भारत के स्वप्न को चुनौती भी प्रदान की है। इस संदर्भ में भारत सरकार द्वारा प्रवासी भारतीय लोगों (NRIs) को आकर्षित करने के लिये उठाए गए कदमों की चर्चा करें। 12.5
(250 शब्द)

Migration of talent from India has proved to be beneficial on one side but on other side lack of skilled Indians has also challenged the dream of developed India. In this context, discuss the steps taken by the government of India to attract NRIs to India. 12.5
(250 words)

भारतीय प्रवासी आज पूरे विश्व में अपनी प्रतिभा का डंका बजा रहे हैं इससे कई लाभ प्राप्त हुए –

- भारत विश्व में सबसे ज्यादा रेमिटेंस प्राप्तकर्ता देश।
- भारतीय सॉफ्टपावर को मूर्त रूप देना।
- भारतीयों को वैश्विक स्तरीय ज्ञान, तकनीक तथा रोजगार की प्राप्ति।
- भारत के 'सांस्कृतिक दूत' के रूप में कार्यरत रहे हैं
- मॉरीशस, फिजी, अमेरिका मे राजनीतिक भागीदारी।

परन्तु इसके चुनौतियां भी नहीं हैं –

- प्रतिभा पलायन – मानवीय पूंजी का नुकसान हुआ है।
- खाड़ी देशों में अनुचित श्रमिक-शोषण की समस्या
- भारतीय वैज्ञानिक कार्यक्रमों में रुकावट
- आस्ट्रेलिया, अमेरिका, कनाडा में नस्लीय हमले।

प्रतिभा पलायन को परिभाषित करना चाहिए उसके उपरान्त विभिन्न

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

इसलिए वर्तमान में हमारा उद्देश्य है कि ब्रेन ड्रेन की जगह ब्रेन गेन को बढ़ावा दिया जाये। इसके लिए -

- प्रवासी भारतीय सम्मेलन जैसे कार्यक्रमों को बढ़ावा देना।
- 'भारत को जानो' जैसे कार्यक्रमों का क्रियान्वयन अच्छे से हो।
- भारत में वैज्ञानिक सुविधाओं एवं अनुसंधान निकाय
- रोजगार के अवसर बढ़ाना।
- विभिन्न शोध छात्रवृत्तियां भी शुरू की गई हैं ताकि इन्हें रोका जा सके।

इसलिए यह समय की जरूरत है कि हम प्रतिभाशाली भारतीयों को अपने देश में ही इतनी बेहतर सुविधाएं दें कि वो 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' तथा 'न्यू इंडिया' के सपनों को साकार करने में अपनी रचनात्मक भूमिका निभा सकें।

भारत रत्न CVR / उदाहरण रामानुज इत्यादि जैसे ठोस कदमों का उल्लेख भी कीजिए

3

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

13. हाल के समय में भारत और ऑस्ट्रेलिया निकट सहयोगी के रूप में उभरे हैं क्योंकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में इनके समान हित हैं। चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

In recent times, India and Australia has evolved as a close ally because they have common interests in Indo- Pacific region. Discuss. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यद्यपि भारत- आस्ट्रेलिया के संबंध
स्वतंत्रता के बाद ही स्थापित हो गये थे परन्तु
पिछले कुछ वर्षों से इनकी गतिशीलता व तीव्रता बढ़ी
है जहां एक तरफ द्विपक्षीय लाभ का मुद्दा है तो
हिंद-प्रशांत क्षेत्र की दो बड़ी शक्तियों का
समन्वय एवं एकीकरण भी -

- हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीनी वर्चस्व को तोड़ना।
- हिंद एवं प्रशांत क्षेत्र व्यापार मार्गों का केंद्र बिंदु है अत: दोनों की जरूरत।
- ऊर्जा सुरक्षा तथा समुद्री सुरक्षा में समान हित।
- समुद्री संसाधनों का कुशलतम उपयोग हेतु।
- भारत- आस्ट्रेलिया - अमेरिका - जापान चतुर्पक्षीय संबंधों या लोकतांत्रिक धुरी की भी बढ़ती संभावना।

इसके अतिरिक्त अन्य बिंदु भी हैं जो भारत -

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

ऑस्ट्रेलिया को नजदीक लाते हैं -

- परमाणु ऊर्जा में सहयोग।
- उच्च शिक्षा एवं प्रवासियों की सुरक्षा।
- अंतरिक्ष, कृषि, व्यापार में सहयोग।

चुनौतियां -

- आस्ट्रेलिया में राजनीतिक अस्थिरता।
- परमाणु सप्लाई पर गतिरोध की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि।
- भारत में अपर्याप्त अवसंरचना विकास तथा निवेश संबंधी बाधाएं।

इसके लिए उपाय -

- द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती प्रदान करने हेतु संवाद को बढ़ाना।
- एशिया - अफ्रीका आर्थिक गलियारा - समुद्री गलियारा में बड़ी भूमिका का निर्वहन।
- हिंद महासागर को सक्रिय करना।
- सांस्कृतिक संबंधो, प्रोजेक्ट मौसम जैसे प्रयास।

आपको (RE CAP) इनका परिचय व सहयोग, दोनों देश EAS व ZOPA के सदस्य हैं तथा हिंद महासागर का सहयोग जोड़ के दोहराना चाहिए।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392326
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

इन उपायों को अपनाकर भारत - आस्ट्रेलिया में सहयोग को बढ़ावा देकर हिंद - प्रशांत क्षेत्र में शांति स्थापना की जा सकती है साथ ही अपना विकास भी सुनिश्चित होगा।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

14. प्रायः यह देखा जाता है कि अल्पविकास की स्थिति विद्रोह एवं अतिवाद को जन्म देती है परंतु हाल ही में भारत के विकसित राज्यों में उत्पन्न हुई विद्रोह की स्थितियाँ कुछ और ही तस्वीर पेश करती हैं। कारण स्पष्ट करें एवं बताएँ कि इन स्थितियों से बचने हेतु क्या किया जा सकता है? (250 शब्द) 12.5

It is often witnessed that underdevelopment generates insurgency and extremism, but recent uprisings in developed states presents the different picture. Articulate the reasons and suggest the measures to avoid such situations? (250 words) 12.5

जब किसी देश में असंतुलित विकास होता है तो विकास से वंचित रह गये क्षेत्रों में तनाव व विद्रोह का जन्म होता है उदाहरण एवं कारण निम्नलिखित हैं –

– नक्सलवाद का उद्भव भूमि सुधारों की असफलता ही था।

– पूर्वोत्तर में अलगाववाद एवं उग्रवाद का कारण भी कहीं न कहीं अल्पविकास से संबंधित रहा है – बांग्लादेशी शरणार्थियों द्वारा जनसंख्या दबाव, रोजगार अतिक्रमण।

– उत्तर प्रदेश, बिहार एवं म. प्र. जैसे राज्यों में कृषक पिछड़ापन – मंदसौर में कृषक अशांति जैसी घटनाएं।

– कश्मीर में आतंकवाद गरीबी, बेरोजगारी, अन्याय से जुड़ा है।

– तेलंगाना, गोरखालैंड जैसे राज्यों के लिए आंदोलन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

तथा तनाव - नये राज्यो की माँग।

परन्तु आज हम देखते हैं कि कुछ नये मुद्दे उभरे हैं जिसके कारण विकसित राज्यो में भी विद्रोह के स्वर प्रस्फुटित हुए हैं —

— आरक्षण की राजनीति को लेकर - हरियाणा में उबाल - जाट संघर्ष, गुजरात में पाटीदार आंदोलन।

— जल विवाद को लेकर तमिलनाडु - कर्नाटक में विवाद एवं आंदोलन।

— कर्नाटक जैसे राज्यों में अपने झंडे का निर्माण इसका कारण उपराष्ट्रीयता है एवं इसके विरोध में हिंदी भाषी लोगो की आक्रामकता।

— औद्योगिक विषमता के कारण तनाव - गुड़गाँव में मारुति जैसे घटनाएँ।

— शहरो जैसे बंगलुरु, दिल्ली में नृजातीय भेदभाव तथा संघर्ष - पूर्वोत्तर के छात्रों पर हमला।

— लैंगिक भेदभाव एवं तनाव - निर्भया मूवमेंट।

इससे निपटने के लिए निम्नलिखित उपाय किये जाने चाहिए —

आयन अच्छे। उत्तर लिखने का प्रयास किया है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

संतुलित एवं समावेशी विकास।

सतत विकास - जनजातियों, पिछड़ों को समुचित अधिकार - पर्यावरण संरक्षण।

नृजातीयता को बढ़ावा न देना, भाषा, धर्म, क्षेत्र की राजनीति पर अंकुश।

जनता एवं प्रशासन के बीच दूरी कम करना - पंचायती राज, सूचना का अधिकार आदि।

इन उपायों से संतुलित विकास कर एक 'विविधता में एकता' से सम्पन्न भारत का विकास संभव है।

5

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.75	2	2	0.75	0.25	0.25	✓
Grade	B	B	B	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

15. विविधता में एकता भारतीय संस्कृति की द्योतक है परंतु विविधता में कट्टरतावाद की उपस्थिति भारत की अखंडता को चुनौती देती है। स्पष्ट करें। (250 शब्द) 12.5

Unity in diversity is indicator of Indian culture, but presence of fundamentalism in diversity challenges the integrity of India. Elucidate. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत एक बहुभाषाभाषी, बहुधार्मिक, बहुसांस्कृतिक देश है परन्तु इसके बावजूद विविधता में एकता भारत का प्राणतत्व रहा है।

- भाषा के आधार पर विविधता परन्तु सभी भाषाओं को अपनी अनुसूची में बराबर महत्व
- विविध धर्मों होने के बावजूद धर्मनिरपेक्ष राज्य।
- अलग - अलग परम्पराएं परन्तु संविधान एक है - संघीय शासन - स्थापना है।
- आर्थिक एकीकृत भारत है - GST का लागू होना।

परन्तु इसके बावजूद कट्टरता की उपस्थिति के कारण भारत की एकता एवं अखण्डता को चुनौती पहुंचती है इसके कारण हैं -

- अशिक्षा, गरीबी, बेरोजगारी का बढ़ता स्तर।
- अल्पसंख्यकों में असुरक्षा का भाव - इसका उपयोग अनैतिक कार्यों हेतु शरारती तत्व करते हैं।

संवैधानिक संशोधन का भी उल्लेख कीजिए

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- बहुसंख्यको द्वारा उग्र राष्ट्रवाद का प्रचार।

इस कट्टरता के कारण-

- कश्मीर में आतंकवाद का फैलना
- पूर्वोत्तर में क्षेत्रीय नृजातीय संघर्ष
- पाक प्रायोजित आतंकवाद से बढ़ना
- नक्सलवादी आंदोलन को बढ़ना।
- जातिवादी हमेशा।

उपाय -

- सभी समाजों एवं समुदायों का संतुलित विकास विकास।
- कट्टरपंथियो पर निगरानी एवं कड़े प्रतिबंध लगाना)
- शिक्षा, जागरूकता, मीडिया, नागरिक समाज को सक्रिय करना।
- शासन एवं समाज में नैतिकता को बढ़ाना।
- अल्पसंख्यको को विशेष प्रावधान द्वारा सशक्त करना - सच्चर कमेटी, रंगनाथ आयोग को लागू करना आदि।

~~निष्कर्ष~~ 2

4

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

16. उत्तर-पूर्व भारत के राज्य न केवल आंतरिक विकास हेतु अपितु भारत के विदेशी संबंधों के निर्धारण में और महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं; परंतु विकास की कमी ने न केवल इन राज्यों में अशांति एवं विद्रोह को जन्म दिया है बल्कि यहाँ के निवासियों को भावनात्मक तौर पर भी अलग कर दिया है। परीक्षण करें। (250 शब्द) 12.5

North-Eastern states of India can play an important role not only in internal development but also in determining the foreign relations of India; but lack of development in these states not only led to insurgency and revolt rather seperated the residents emotionally also. Examine. (250 words) 12.5

उत्तरपूर्व भारत, भारत का अभिन्न हिस्सा है परन्तु यहाँ पर विकास कार्य सुचारु रूप से न होने के कारण तनाव एवं संघर्ष की स्थिति पैदा हुई।

आंतरिक विकास में महत्व -

- पर्यटन का महत्वपूर्ण स्थल।
- उद्योग, व्यापार, कृषि में विकास का क्षेत्रीयविषमता को कम करना।
- सांस्कृतिक पहचान एवं विकास में योगदान।
- खेल, शिक्षा, अंग्रेजी भाषा को प्रोत्साहन देकर वैश्वीकरण में लाभ उठा सकते है।

विदेशी संबंधो मे भूमिका -

- चीनी संबंधो को संतुलित कर सकते है।
- म्यांमार एवं आसियान के लिए प्रवेश द्वार है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

- बांग्लादेश एवं भूटान से संबंधों के लिए आवश्यक।
- पर्यावरण संरक्षण हेतु महत्वपूर्ण- पर्यावरण नीतियाँ
- BBIN, BCIM, भारत - थाईलैण्ड - म्यांमार राजमार्ग हेतु।
- कालादान मल्टीमॉडल प्रोजेक्ट हेतु।

अशांति के कारण -

- विकास का ग्रास रूट लेवल तक न पहुँचना
- नृजातीय संघर्ष
- शरणार्थी एवं अवैध घुसपैठ - उग्रवाद- वर्चस्व की लड़ाई
- प्राकृतिक आपदाओं - बाढ़, भूस्खलन, भूकम्प आदि।

इसके कारण पूर्वोत्तर के राज्य पिछड़ गये इसलिए यहाँ वृहत्तर नागालैण्ड, बोडोलैण्ड जैसी मांगे उठती हैं इसलिए यहां पर अनुसूची 5 एवं 6 (अनुसूचित क्षेत्रों के विकास), पेसा कानून एवं पंचायती राज को बेहतर तरह से लागू करना चाहिए ताकि सुरक्षा एवं विकास दोनों को गति मिले।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright - Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
Please do not write anything except the question number in this space)

17. नक्सलवाद वास्तव में अधिकार के संरक्षण एवं विकास की सुनिश्चितता हेतु लड़ाई है। इस संदर्भ में सरकार द्वारा अपनाई गई नीतियों पर चर्चा करें। हाल की घटनाओं को देखते हुए क्या यह कहा जा सकता है कि अब नक्सलवाद के प्रति नई रणनीति अपनाए जाने की आवश्यकता है? टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Naxalism is essentially a fight for conservation of rights and development. Discuss the policies adopted by government in this context. By observing recent incidents, can we say that, there is a need to adopt a different strategy against Naxalism? Comment. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नक्सलवाद का उद्भव मूलतः भूमि सुधारों की असफलता, शोषण, अविकास, जमींदारी आदि के कारण हुआ तथा ये निरन्तर विकसित होकर 15 राज्यों के 250 जिलों तक फैल गया - 'रेड कॉरिडोर' का निर्माण हुआ।

इस समस्या से निपटने के लिए सरकार की रणनीति - सुरक्षा, विकास के समन्वय पर आधारित।

- विकास हेतु स्थानीय स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, कृषि संबंधी विकास कार्य करना।
- रोशनी जैसी योजनाएं ताकि अत्यन्त पीड़ित इलाकों में गतिरोध समाप्त हो तथा विकास हो सके।
- सुरक्षा के लिए अर्धसैनिक बलों एवं पुलिस बलों को प्रशिक्षण एवं तैनाती।
- विभिन्न स्तर के एजेन्सियों द्वारा नेटवर्किंग।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

— स्थानीय लोगों का सहयोग प्राप्त करना।

हाल ही में देखा जाए तो नक्सलवाद की घटनाएं कुछ कम हुई हैं तथा इन नक्सलियों ने भी अपनी रणनीति बदली है तो सरकार को निम्नलिखित रणनीति पर कार्य करना चाहिए —

- सरकार को जो नक्सली हथियार एवं आत्मसमर्पण करते हैं उनका पुनर्वास करें। - रोजगार दें।
- महिला नक्सलियों हेतु महिला विंग का निर्माण एवं सशक्तिकरण।
- नक्सल क्षेत्रों में जबरदस्त बुनियादी ढांचे का विकास तथा किसी क्षेत्र को पुनर्नक्सलीकरण पर रोक।
- विभिन्न सुरक्षा एजेन्सियों में समन्वय।

इन नीतियों को अपनाकर नक्सलवादी क्षेत्रों में पूर्ण विकास कर शांति कायम की जा सकती है।

(3)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

18. भारत की कश्मीर समस्या वास्तव में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का ही परिणाम मात्र है, अन्यथा कुछ नहीं। आलोचनात्मक मूल्यांकन करें। (250 शब्द) 12.5

The Kashmir problem of India is only result of Pakistan sponsored terrorism and nothing else. Analyse critically. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत की आजादी के बाद से कश्मीर में तनाव एवं असंतोष हमारे लिए बड़ी चुनौती रही है। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद एवं प्रश्न तीव्रता संवर्धन इसी समस्या के जड़ में हैं परन्तु अन्य कारण भी हैं —

— गरीबी, बेरोजगारी बड़े स्तर पर।
— अशिक्षा एवं कट्टरपंथ।
— विकास का असमावेशी रूप।

2

• पूरा उत्तर लिखिए।
• मॉडल उत्तर का अध्ययन कीजिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation